

Syllabus and Course Scheme
Academic year 2014-15



BA – Sanskrit
Exam.-2015

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

प्रथम वर्ष संस्कृत - 2015

प्रथम प्रश्न पत्र-पद्य साहित्य, भारतीय संस्कृति के तत्त्व, व्याकरण एवं अलंकार

समय 3 घण्टे

न्यूनतम उत्तीर्णांक: 36

पूर्णांक-100

नोट:- 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है -

खण्ड अ- इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।

प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

अंक-10

खण्ड ब- इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

अंक-50

खण्ड स- प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह हिन्दी अथवा संस्कृत व्याख्या से संबद्ध है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है।

अंक-40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा -

पाठ्यक्रम-

- इकाई 1. रघुवंशम् 'द्वितीय सर्ग'
- इकाई 2. कुमारसंभवम् 'पंचम सर्ग'
- इकाई 3. भारतीय-संस्कृति के तत्त्व-पृष्ठ भूमि, विशेषताएँ, वर्णाश्रम व्यवस्था, संस्कार, पंच महायज्ञ, त्रिविध ऋण, भारतीय संस्कृति का मानव कल्याण में योगदान।
- इकाई 4. व्याकरण - शब्दरूप, धातुरूप
- इकाई 5. अलंकार

विस्तृत पाठ्यक्रम

इकाई 4

शब्दरूप - राम, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, सर्व, तद्, एतद्, इदम्, अस्मद् तथा युष्मद्। धातुरूप-(लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, तथा लृटलकार में) पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, दिव्, तन्, तुद्, चुर, लभ् तथा सेव् धातु

इकाई 5

अलंकार - काव्य-दीपिका (अष्टम शिखा)

(भेदोपभेद-रहित निम्नांकित अलंकार)

अनुप्रास, यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, रूपक, उपमा, मालोपमा, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान्, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, अतिशयोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, प्रतिवस्तूपमा, दीपक, अपह्नुति एवं समासोक्ति।

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब'

प्रथम इकाई रघुवंशम् से दो श्लोकों में से एक की संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी।
चतुर्थ इकाई से पांच शब्द रूप एवं धातु रूप, विशेष विभक्ति एवं पुरुष में पूछे जावेंगे।
पंचम् इकाई से चार में से दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देते हुए हिन्दी में स्पष्टीकरण देना है। शेष इकाइयों से संबंधित सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

खण्ड 'स'

प्र. सं. 12 का अंक-विभाजन निम्न प्रकार होगा -

1. प्रथम इकाई में रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) के 2 श्लोकों में से किसी एक श्लोक की व्याख्या । 10 अंक
2. द्वितीय इकाई में कुमारसम्भवम् (पंचमसर्ग) के 2 श्लोकों में से किसी एक श्लोक की हिन्दी में व्याख्या। 10 अंक

प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13,14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाइयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें।

सहायक ग्रंथ

1. रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) -कालिदास - डॉ. श्रीकृष्ण ओझा
2. रघुवंशम् (मल्लिनाथ टीकासहित) - गोपाल रघुनाथ - मोतीलाल
3. रघुवंशम् महाकाव्यम् - संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित डा. जगन्नारायण पाण्डेय
4. कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)
5. कालिदास ग्रंथावली
6. संस्कृत-कवि-दर्शन - पं भोलाशंकर व्यास।
7. कालिदास परिशीलन डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी,
8. भारत की संस्कृति व साधना - डॉ. रामजी उपाध्याय।
9. भारतीय संस्कृति-प. शिवदत्त ज्ञानी।
10. भारतीय संस्कृति - डॉ. श्रीकृष्ण ओझा।
11. भारतीय संस्कृति - डॉ. प्रीति प्रभा गोयल।
12. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) - कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य
13. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) - डॉ रामनारायण झा

द्वितीय प्रश्न पत्र-नाटक, कथा-साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण

समय 3 घण्टे

पूर्णांक-100

नोट:- 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है -

खण्ड अ- इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक-10**

खण्ड ब- इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक-50**

खण्ड स- प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह हिन्दी अथवा संस्कृत व्याख्या से संबद्ध है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक-40**

पाठ्यक्रम-

1. स्वप्नवासवदत्तम् (भासकृत)
2. हितोपदेश (मित्रलाभ)
3. अनुवाद
4. संज्ञा एवं सन्धि प्रकरणम् $2 \times 2 = 4, 3 \times 2 = 6 = 10$
5. लघु-सिद्धान्त कौमुदी - अजन्त प्रकरण - $(2\frac{1}{2} \times 4 = 10) = 10$
(राम, हरि, लता, नदी, ज्ञान तथा वारि शब्दों की रूप सिद्धि)

विशेष निर्देश

खण्ड - ब

1. प्रथम इकाई में स्वप्नवासवदत्तम् के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या।
2. तृतीय इकाई में से प्रश्न संख्या 6 एवं 7 में पांच पांच हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करना है। प्रश्न सं. 6 तथा 7 में से 1 प्रश्न करना है।
3. इकाई चतुर्थ में संज्ञा प्रकरण पारिभाषिक शब्द, संज्ञा सूत्र और प्रत्याहार विकल्प सहित चार अंकों की एवं सन्धि प्रकरण में से 4 में से 2 शब्दों की सूत्र निर्देश पूर्वक रूप सिद्धि, 6 अंकों की पूछी जायेगी।
4. पंचम इकाई में अजन्त नामिक प्रकरण में 8 सूत्रों में से 4 सूत्रों की व्याख्या पूछी जायेगी।
5. द्वितीय इकाई से सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

खण्ड - स

प्रश्न संख्या 12 का अंक विभाजन इस प्रकार से होगा।

1. प्रथम इकाई में स्वप्नवासवदत्तम् के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की व्याख्या। **10**
2. द्वितीय इकाई में हितोपदेश (मित्रलाभ) में से दो पद्यों में से एक पद्य की तथा दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की हिन्दी व्याख्या। **5+5=10**

प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें।

सहायक ग्रन्थ

1. स्वप्नवासवदत्तम् - जयपाल विद्यालंकार
2. स्वप्नवासवदत्तम् - (संस्कृत हिन्दी व्याख्या) - जगन्नारायण पाण्डेय
3. स्वप्नवासवदत्तम् - डॉ. विश्वनाथ शर्मा
4. हितोपदेश (मित्रलाभ) - हिन्दी अनुवाद - रामेश्वर भट्ट
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) - डॉ. सुभाष तनेजा वेदालंकार
6. रचनानुवाद कौमुदी - डॉ. कपिल देव द्विवेदी
7. नवनीत - संस्कृत शब्द - धातु रूपावली - राजाराम शास्त्री नाटेकर
8. वृहद् - अनुवाद चंद्रिका - चक्रधर शर्मा, नौटियाल
9. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें - उमाकांत मिश्र
10. स्टूडेंट्स गाइड टू संस्कृत कम्पोजिशन - मूल लेखक - वी.एस. आप्टे
11. लघु सिद्धान्त कौमुदी - डॉ. पुष्करदत्त शर्मा।
12. वृहद् रचनानुवाद कौमुदी - कपिलदेव द्विवेदी
13. लघु सिद्धान्तकौमुदी 'भैमी' व्याख्या- पं० भीमसेन शास्त्री (प्रथम भाग)
14. स्नातक संस्कृत व्याकरण- डॉ. नेमीचन्द्र शास्त्री
15. संस्कृत वाक्य विवेक - डॉ. हिन्द केसरी, अजमेरा बुक कम्पनी, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर।

द्वितीय वर्ष संस्कृत-2015

प्रथम प्रश्न पत्र-नाटक, छन्द, संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण

समय 3 घंटे

पूर्णांक -100

नोट:- 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है -

खण्ड अ- इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।

प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

अंक-10

खण्ड ब- इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

अंक-50

खण्ड स- प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह हिन्दी अथवा संस्कृत व्याख्या से संबद्ध है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक-40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच ईकाइयों में विभाजित होगा -

पाठ्यक्रम

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम चार अंक)
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (शेष भाग)
3. छन्द (अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त समस्त छंद)
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास
5. व्याकरण - कृत्य एवं कृदन्त प्रकरण

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब'

प्रथम इकाई अभिज्ञानशाकुन्तलम्-के किन्हीं दो श्लोकों में से एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या।
द्वितीय इकाई अभिज्ञानशाकुन्तलम्-से किन्हीं चार सूक्तियों में से दो की व्याख्या करनी होगी।
तृतीय इकाई के अंतर्गत दो छन्द, विकल्प, सहित पूछे जायेंगे। छन्दों का लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देना अनिवार्य है। छन्दों के उदाहरण अभिज्ञान शाकुन्तलम् के ही मान्य होंगे।

पंचम इकाई से किन्हीं दो पदों की (विकल्प सहित) सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि पूछी जायेगी।

शेष इकाई से सम्बन्धित सामान्य प्रश्न

खण्ड 'स'

1. प्रथम इकाई में अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम चार अंक) में से दो श्लोक में से किसी एक श्लोक की व्याख्या। **10 अंक**
2. द्वितीय इकाई में अभिज्ञानशाकुन्तलम् (शेष भाग) के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या। **10 अंक**

3. प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' की प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में निर्माण के समय यथासंभव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें। तीनों प्रश्नों के खण्ड किये जा सकते हैं।

विस्तृत पाठ्यक्रम

इकाई 4

संस्कृत साहित्य का इतिहास वीर काव्य, महाकाव्य, गद्यकाव्य, नाटक- साहित्य, कथा-साहित्य, राजस्थान का संस्कृत साहित्य

इकाई 5

कृत्य एवं कृदन्त प्रकरण- तव्य, तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, ण्वुल्, तृच, क्त, क्तवत्, शत्, शानच्, तुमुन्, घञ्, ल्युट्, क्तवा, ल्यप्।

निम्नसूत्र-घातोः, कृत्याः, कर्तरिकृत्, तयोरेव कृत्यक्तखलर्थाः, तव्यत्तव्यानीयरः, अचोयत्, ईदृति, पोरदुपघात्, एतिस्तुशास्वृदृजुषःक्यप्, ह्रस्वस्यपितिकृत्तितुक्, शासःइदडहलोः मृजेर्विभाषा, ऋहलोर्ण्यत्, चजोः कु घिण्यतोः, ण्वुलतृचौ, युवोरनाकौ, क्त क्तवत् निष्ठा, निष्ठा, रदाभ्यां निष्ठातोः पूर्वस्य, लृट्, शत्, शानचाव प्रथमासमानाधिकरणे, आने मुक्, तुमुनण्वुलौ क्रियायां क्रियार्थायाम्, कालसमयवेलासु तुमुन्, नपुंसके भावे क्त, ल्युट् च, अलं खल्वोः

प्रतिषेधयोः प्राचां क्त्वा, समानकर्तृकयोः पूर्वकाले, समासेऽनञ्पूर्वेक्त्वा ल्यप्।

सहायक पुस्तकें -

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डॉ. निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् व्याख्या - डा. राधावल्लभ त्रिपाठी
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् - डा. रमाशंकर त्रिपाठी
4. कालिदास और उनकी काव्य कला - वागीश्वर विद्यालङ्कार
5. कालिदास - डॉ. रमा शंकर तिवारी
6. कालिदास - चन्द्रबली पाण्डे
7. कालिदास - वी. वी. मिराशी
8. छन्दः प्रकाश - पं. शिवदत्त मिश्र
9. छन्दः प्रवेशिका - (प्रभा हिन्दीटीकोपेता) नई दिल्ली।
10. छन्दोमञ्जरी - सं. डा. बाबूराम त्रिपाठी
11. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला।
12. संस्कृत साहित्य का इतिहास - डा. बलदेव उपाध्याय।
13. संस्कृत साहित्य का इतिहास - डा. बाबूराम त्रिपाठी।
14. संस्कृत साहित्य का इतिहास - विश्वनाथ शर्मा।
15. राजस्थानीयमभिनव संस्कृत साहित्यम् खण्ड 1-5 सं. डॉ. गंगाधर भट्ट
16. राजस्थानरयाधुनिकाः संस्कृत कथालेखकाः - डॉ. पुष्कर दत्त शर्मा
17. राजस्थान के कवि - पं. पुरुषोत्तम शर्मा
18. जयपुर संस्कृत काव्य परम्परा - देवर्षि पं. कलानाथ शास्त्री
19. नवोन्मेषः - डॉ. रामचन्द्र द्विवेदी